Seventeenth Loksabha

an>

माननीय अध्यक्ष : आज शून्य काल में केवल लिस्टेड विषय ही निबटाए जाएंगे।

प्रो. सौगत राय।

Title: Regarding attempt to change and distort Indian history.

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): Sir, I rise to speak on a matter of public importance. In recent times, there has been an effort by the Government and the Ruling Party at the Centre to change and distort the history of the country. The Home Minister has said that history should be written anew and he is referring to the Mughal age. He says that the Mughals had invaded forgetting that Mughals gave a stable Government to India for 200 years. The Taj Mahal, the Red Fort and the Jama Masjid were all constructed during their times.

Sir, we strongly believe that the culture of India is not a Hindu culture, it is a composite culture. We also strongly believe that this should not be a Hindu history or a Muslim history or a British history. There should be an Indian history. But this distortion of history is not only in the change of names of cites. Allahabad suddenly becomes Prayagraj. Aurangabad suddenly becomes Sambhajinagar. This is re-writing history. It was done in Communist people's time. The most important thing has to be mentioned and that is to write the history of Indian freedom struggle properly during the Amrit Kaal of our Independence. We should write clearly that ...* asked for clemency from the British. … (*Interruptions*) I have given a notice and I am speaking accordingly..... (*Interruptions*) Sir, it should be mentioned that ...* refused to participate in the Quit India Movement of 1942.

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा) : कहां लिखा हुआ है?

PROF. SOUGATA RAY: It is written in every place. There is constant effort to distort the history of India and make us forget that the Hindutva walas did not participate in the freedom struggle and belittle Jawaharlal Nehru's contribution. Jawaharlal Nehru spent nine years in British jail. None of these Hindutva walas including ... * did spend time.... (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : इनके पुराने नेता हैं, यह उनका संदर्भ है।

डॉ. निशिकांत दुबे : कहां लिखा हुआ है?

PROF. SOUGATA RAY: ...* positively refused to participate..... (*Interruptions*) I will bring ten books.... (*Interruptions*)

संसदीय कार्य मंत्री; कोयला मंत्री तथा खान मंत्री (श्री प्रहलाद जोशी) : सर, ,ऐसा नहीं है। ज़ीरो आवर में ये सब रिकॉर्ड में जाएगा तो कैसे होगा? … (व्यवधान)

PROF. SOUGATA RAY: I need not produce books on every objection of Dr. Nishikant Dubey. He may be an RSS man but he should acknowledge the truth about India's freedom struggle that the Congress fought, Gandhiji fought and Jawaharlal Nehru fought but ...* did not fight..... (*Interruptions*) ...* did not go..... (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : ओके। माननीय सदस्य, प्लीज।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, प्लीज।

… (व्यवधान)

PROF. SOUGATA RAY: I will end by a quotation from Tagore. …… (*Interruptions*)

Eso Arjo, Eso Anarjo, Hindu Musalman,

Eso Eso Tumi Aj Ingraz, Eso Christian

Eso Bramhon Suchi Kori Mon Dharo hath sobakar

Eso hey potit, hok Aponit sob apomanbhar

Mar obhishekhe eso eso twara mongolghot hoi ni je bhora

Sobar poroshe pobitro kora tirthonirey

Aji bharoter mohamonaber sagartirey.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आपने बंगाली में बोलने के लिए नोटिस नहीं दिया है।

… (व्यवधान)

डॉ. निशिकांत दुबे : सर, इनके भाई ने किताब लिखी है। … (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल) : आपके बड़े भाई हैं, आप उनसे ही पूछ लेते। उन्होंने किताब लिखी है, उसमें लिखा हुआ है कि हेडगेवार जी दो बार जेल गए। … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, शून्य काल में अविलम्बनीय लोक महत्व का प्रश्न उठाया जाता है। मेरा माननीय सदस्यों से आग्रह है कि बिना तथ्यों के, बिना सबूतों के किसी पर आरोप लगाते समय, बिना नोटिस के कभी भी शून्य काल के अंदर, संसद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए ऐसे विषय को नहीं उठाएं। मैंने आज जो रूलिंग दी है, वह आगे भी इसी तरीके से चलेगी।

प्रो. सौगत राय: क्या रूलिंग दी है?

माननीय अध्यक्ष : रूलिंग यह है कि बिना तथ्यों के, बिना सबूतों के, बिना नोटिस दिए कभी भी किसी पर आरोप-प्रत्यारोप न लगाएं।

… (व्यवधान)

श्री प्रहलाद जोशी : सर, रिकॉर्ड से एक्सपंज कर दिया जाए। … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हां, देखूंगा।

… (व्यवधान)

कुंवर दानिश अली (अमरोहा) : वह रिकॉर्ड में है।… (व्यवधान)

श्री प्रहलाद जोशी : क्या रिकॉर्ड में है? आपके रिकॉर्ड में है। … (व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल : इसको रिकॉर्ड से निकाल दिया जाए।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हां, हां।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने वही बोला है।

… (व्यवधान)

श्री प्रहलाद जोशी : दानिश अली जी, आपका रिकॉर्ड लोगों को पता चल गया है। … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने वही व्यवस्था दी है, जो आप सबने संसदीय प्रक्रिया और नियमों में बनाई है। मैंने नई व्यवस्था नहीं दी है।

आप वरिष्ठ सदस्य हैं। इसलिए मैंने कोई नई व्यवस्था नहीं दी है, लेकिन हम इस व्यवस्था, नियम और प्रक्रियाओं का पालन करें, ऐसी मेरी सभी सदस्यों से अपेक्षा है।

…(व्यवधान)